>

Title: Need to reopen railway crossing (L.C. No. 202) between Surajpura and Wantada villages on Ahmedabad-Himmatnagar- Udaipur rail route in Sabarkantha, Gujarat.

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण (साबरकांठा): अध्यक्ष महोदय, मेरे मतक्षेत्र साबरकांठा, गुजरात में अहमदाबाद-हिम्मतनगर उदयपुर रेलवे मार्ग पसार होता है। हिम्मतनगर से उदयपुर जाने वाले मार्ग पर विरावाडा और रायगढ़ स्टेशन के बीच सूरजपुरा और वांटडा गांव के बीच एक 202 एल.सी. आया हुआ है। यह फाटक वाला रेलवे क्रॉसिंग है जो इरीगेशन डिपार्टमेंट के साथ-साथ सूरजपुरा-वांटडा गांव के किसानों को खेत में जाने के लिए बहुत उपयोगी है। जब से रेलवे मार्ग बना है, तब से यह रेलवे क्रॉसिंग का उपयोग होता आया है। अब रेलवे ने इस क्रॉसिंग के फाटक को बंद कर दिया है। डीआरएम अजमेर सहित अन्य अधिकारियों के सामने शिकायत करने पर भी कोई परिणाम नहीं मिला। बोलते हैं कि यह इरीगेशन का क्रॉसिंग है। आम जनता के लिए नहीं है।

महोदया, यह कैसा कानून है जो किसानों को हैरान-परेशान करता है? दोनों गांव के लोग विशेषकर किसान बहुत तकलीफ महसूस कर रहे हैं। मेरी आपसे प्रार्थना है कि उपरोक्त एलसी नम्बर 202 को खोल दिया जाए। जरूरत लगे तो इसी फाटक की चाबी पांटडा स्टेशन के किसी अधिकारी को दे दी जाए, जो रेलवे पसार होने के समय जरूरत लगे तो बंद करवा सके। वैसे तो दिन में सिर्फ दो बार ही ट्रेन पसार होती है। रात के समय आप इसे पूरी रात बंद रखोगे तो भी चलेगा। सिर्फ दिन में खुला रखने की विनम्र मांग है। लोग बहुत हैरान हुए हैं। जन आंदोलन होने की संभावना है। इसलिए मेरी विनती है कि किसानों की तकलीफ को ध्यान में रखते हुए फाटक खोलने का उपाय किया जाए।

MADAM SPEAKER: Let us have the 'Zero Hour'. We will talk it over in my Chamber.

...(*Interruptions*)

MADAM SPEAKER: We will talk it over in my Chamber. Let us have the 'Zero Hour'.

...(*Interruptions*)

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण : अध्यक्ष महोदया, इस फाटक को केवल दिन में खुला रखने की मेरी मांग है, क्योंकि लोग बहुत हैरान-परेशान हैं।...(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : आप लोग बैठ जाइए। शून्य प्रहर चलने दीजिए। उनकी जो समस्या है, उनको जो कष्ट है, हमने कहा है कि हम अपने चैम्बर में बात कर लेंगे कि इसका क्या समाधान है, उस पर बात कर लेंगे, आप कृपया करके ज़ीरो ऑवर चलने दीजिए। जीरो ऑवर चलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : जीरो ऑवर चलने दीजिए। क्या आप जीरो ऑवर नहीं चलने देंगे? जीरो आवर चलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदया : जीरो ऑवर चलने दीजिए।

â€¦(व्यवधान)

श्री महेन्द्रसिंह पी. चौहाण : महोदया, जन आंदोलन होने की संभावना है, इसलिए मेरी विनती है कि किसानों की तकलीफ को ध्यान में रखते हुए, फाटक खोलने का उपाय किया जाए।â€¦(व्यवधान)

â€¦(व्यवधान)

12.10 hrs.

At this stage Shri Chandrakant Khaire and some other hon. Members came and stood on the floor near the Table.